पशुओं में एंटीबायोटिक के उपयोग पर प्रतिबंध

यूएस के खाद्य व औषधि प्रशासन ने पशुओं में एंटीबायोटिक के व्यापक उपयोग पर रोक लगाने की कोशिश में नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। वैसे तो इन दिशानिर्देशों का पालन करना कंपनियों की इच्छा पर निर्भर है मगर उम्मीद की जा रही है कि इनसे बैक्टीरिया में बढ़ते प्रतिरोध की समस्या से निपटने में कुछ हद तक मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि यूएस जैसे देशों में पशुओं में एंटीबायोटिक औषधियों का उपयोग कई वजहों से किया जाता है। बीमारियों के नियंत्रण के अलावा एंटीबायोटिक्स का एक प्रमुख उपयोग पशुओं की वृद्धि को गति देने में भी किया जाता है। इसके अलावा कई बड़े पशुपालक अपने मवेशियों को बीमारी से बचाने के लिए भी नियमित रूप से एंटीबायोटिक की खुराक देते हैं। पशुओं में इनके इस तरह के उपयोग का नतीजा यह होता है कि बैक्टीरिया इनके प्रतिरोधी होने लगते हैं।

खाद्य व औषधि प्रशासन के दिशानिर्देश इनमें से सिर्फ एक मामले में लागू होंगे। दिशानिर्देशों के मुताबिक जो कंपनी चाहे, वह अपने एंटीबायोटिक पैकेट पर लिख सकती है कि इनका उपयोग पशुओं की वृद्धि को बढ़ाने में न किया जाए।

इसके अलावा दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया है कि जब भी पशुओं के लिए ये दवाइयां लिखी जाएं, तो इस निर्णय में कोई पशु चिकित्सक शामिल हो। अब कंपनियों के पास 90 दिन का वक्त है कि वे खाद्य व औषधि प्रशासन को इत्तला कर दें कि वे इन दिशानिर्देशों का पालन करने जा रही हैं अथवा नहीं।

वैसे प्रशासन का कहना है कि कई कंपनियों ने अपनी सहमति भेज दी है। 90 दिन की अवधि बीत जाने पर प्रशासन तय करेगा कि सहमति न देने वाली कंपनियों के साथ क्या सलूक किया जाए। वैसे प्रशासन का मानना है कि इन दिशानिर्देशों का पालन करना खुद कंपनियों के हित में है क्योंकि इनका पालन करके वे अपनी दवाइयों को बेकार होने से बचा सकेंगे।

आलोचकों का कहना है कि ये दिशानिर्देश बहुत कारगर नहीं होंगे। मसलन, नेचुरल रिसोर्स डिफेंस कौंसिल के अविनाश कार का मत है कि ये दिशानिर्देश पशुओं में एंटीबायोटिक उपयोग में से कुछ को ही नियंत्रित कर पाएंगे। इसी प्रकार से प्यू चेरिटेबल ट्रस्ट की लौरा रॉजर्स मानती हैं कि अन्य देशों की अपेक्षा यूएस इस मामले में अभी भी बहुत पीछे है। उनके मुताबिक नेदरलैण्ड जैसे देश पहले ही पशुओं में एंटीबायोटिक उपयोग को 50 प्रतिशत तक कम कर चुके हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***